साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech
RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है संपर्क करें...
संपर्क करे-

वर्ष-10 अंक-19 www.yuvapradesh.in भोपाल, शुक्रवार 19 जून 2026 ypnews24@gmail.com पृष्ठ-08 मूल्य 2 रूपये

साइबर ठगी का शिकार हुए? घबराएं नहीं

गृह मंत्रालय का MARM पोर्टल अब 50 हजार तक की राशि बिना FIR के लौटाएगा

ऑनलाइन ठगी/साइबर फ्रॉड का शिकार हुए लोगों के लिए राहत भरी खबर है। गृह मंत्रालय के भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र 14C ने MARM पोर्टल - Mobile Restoration & Refund Module शुरू कर दिया है। अब ठगी में गई रकम वापस पाने के लिए थाने के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। **MARM पोर्टल क्या है?** ये एक सरकारी डिजिटल पोर्टल है जिसके जरिए साइबर ठगी, धोखाधड़ी और अन्य साइबर अपराधों में फंसी रकम वापस पाने के लिए घर बैठे आवेदन किया जा सकेगा। पोर्टल का लिंक: mrm.ncrp.mha.gov.in/public-info **शर्त:** ये पोर्टल तभी काम करेगा जब ठगी करने वाले के बैंक खाते में आपकी रकम पहले ही फ्रीज/होल्ड कर दी गई हो।

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

आवेदन की शर्तें: 1. 50 हजार से कम की ठगीः अगर फ्रीज की गई कुल रकम 50 हजार से कम है तो FIR या कोर्ट ऑर्डर की जरूरत नहीं। पुलिस शिकायत के आधार पर ही रकम आपके खाते में वापस आ जाएगी।

2. 50 हजार से ज्यादा की ठगीः अगर एक खाते में 50 हजार से ज्यादा फ्रीज हुई है तो कोर्ट ऑर्डर/FIR जरूरी होगी।

घर बैठे ऐसे करें आवेदन - 9 स्टेप

1. दस्तावेज रखें: बैंक खाता नंबर, पैन कार्ड की डिजिटल कॉपी, 14 अंकों की शिकायत ढ्ढ्ठ और रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर।

2. पोर्टल पर जाएं: mrm.ncrp.mha.gov.in/public-info पर जाकर "Citizen Login" पर क्लिक करें।

3. लॉगिनः अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर डालें और OTP से लॉगिन करें।

4. रिफंड रिक्वेस्ट: "Raise Refund Request" सेक्शन में जाएं और NCRP पोर्टल से मिली 14 अंकों की शिकायत ID दर्ज करें।

5. अपलोड: पैन कार्ड की कॉपी, बैंक खाता संख्या, IFSC कोड डालें। कोर्ट ऑर्डर है तो वो भी अपलोड करें।

6. सबमिट: डिक्लेरेशन पर टिक करके सबमिट करें। पोर्टल आपको एक nique Request ID देगा जिससे स्टेटस ट्रैक कर सकते हैं।

जरूरी सलाह: किसी भी तरह की ठगी होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करें या cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं। तभी आपके पैसे फ्रीज हो पाएंगे और ररूपोर्टल पर आवेदन मान्य होगा।

नारी सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने सभी की सहभागिता जरूरी : राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु

राष्ट्रपति ने जनजातीय महिलाओं के द्वारा बनाए गए उत्पादों की प्रशंसा की

भोपाल

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने मध्यप्रदेश भ्रमण के पहले दिन गुरुवार को बैतूल में आयोजित ÷आध्यात्मिक जागृति से जनजातीय समाज का सशक्तिकरण%% महासम्मेलन में विभिन्न उत्पादों की प्रदर्शनी/स्टॉल का अवलोकन कर जनजातीय समुदाय की महिलाओं के द्वारा निर्मित पारंपरिक उत्पादों की प्रशंसा की।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बैतूल में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बैतूल जिले की स्व-सहायता समूह की महिलाएं सतपुडांचल प्रोड्यूसर कंपनी के माध्यम से रागी, कोदो, कुटकी ज्वार एवं बाजरा जैसे पोषक तत्वों से भरपूर श्रीअन्न से बने कुकीज, पास्ता, नूडल्स, इंस्टेंट इडली डोसा, मिक्स दलिया तथा अन्य स्वास्थ्यवर्धक उत्पादों का निर्माण कर रही है। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, केन्द्रीय राज्य मंत्री जनजातीय कार्य विभाग श्री दुर्गादास उईके, प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल भी अवलोकन के दौरान उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने वोकल फॉर लोकल, लखपति दीदी एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में विभिन्न स्व-सहायता समूह द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि उत्पादों के निर्माण से महिलाओं की आय में वृद्धि हो रही है। स्व-सहायता समूह से जुड़ी हुए महिलाएं भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अपनी महती जिम्मेदारी निभा रही हैं। प्रदर्शनी में सतपुडांचल प्रोड्यूसर कंपनी में 175 स्व-सहायता समूह के 2075 समूह विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का संचालन कर प्रतिमाह 8 से 10 हजार रुपए की अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने विशेष रूप से श्री अन्न से बने व्यंजनों की पोषण प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में 18 प्रकार के पौष्टिक व्यंजन प्रदर्शित किए गए थे। राष्ट्रपति ने गौशालाओं द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का भी अवलोकन किया।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने भरेवा शिल्प कला के स्टॉल का भी अवलोकन किया। जनजातीय महिलाओं द्वारा पीतल, तांबा, कांसा आदि से निर्मित विशिष्ट धातु शिल्पों को प्रदर्शित किया गया। इस स्टॉल में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने डोकरा कला के नाम से प्रसिद्ध धातु शिल्प निर्माण में जनजातीय महिलाओं की कुशलता और निपुणता की सराहना की। श्री बलदेव बाघमारे ने राष्ट्रपति को पीतल से निर्मित जनजातीय महिला की प्रतिमा भेंट की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने वन आधारित उत्पादों के स्टॉल का भी अवलोकन किया। स्टॉल में मुख्य रूप से नांदा फॉरेस्ट हनी, बैतूल सागौन और कुकरु कॉफी से आजीविका उद्यमिता एवं %वोकल फॉर लोकल% अंतर्गत निर्मित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया था।

बारिश से बचने पेड़ के नीचे खड़ा हुआ युवक, आकाशीय बिजली गिरने से गई जान; गांव में पसरा मातम

संभागीय संवाददाता -राजू राय

शहडोल के गोहपारू थाना क्षेत्र के गोडारू गांव में आकाशीय बिजली गिरने से एक 22 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। बताया गया कि युवक घर के पास स्थित खेत की ओर शौच के लिए गया था। इसी दौरान अचानक मौसम बदल गया और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई।जानकारी के अनुसार गोडारू निवासी चंद्र प्रकाश केवट (22) पिता दशरथ केवट बारिश से बचने के लिए खेत में लगे एक आम के पेड़ के नीचे जाकर खड़ा हो गया। उसी समय तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली पेड़ के पास आ गिरी, जिसकी चपेट में आने से वह गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही अचेत होकर गिर पड़ा।ग्रामीणों ने परिजनों को दी सूचना बिजली गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के घरों में मौजूद लोग

बाहर निकले। जब ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो उन्होंने युवक को आम के पेड़ के नीचे गंभीर हालत में पड़ा देखा। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गई। परिजन और ग्रामीण तत्काल युवक को उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही गोहपारू थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई पूरी की तथा पोस्टमार्टम कराया। पुलिस का कहना है कि मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

नाबालिग लड़के-लड़कियों से बीयर बार में काम करवाने वाले को क्या सजा मिलती है, जानिए JJ Act 2015

कुछ होटल, बीयर बार या शराब की दुकान में ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए नाबालिग लड़कियां अथवा कम वेतन में काम करवाने के लिए नाबालिग लड़कों को नियुक्त कर दिया जाता है। शायद उन्हें पता नहीं होता कि ऐसा करना ना केवल श्रम कानूनों का उल्लंघन होता है बल्कि जुवेनाइल जस्टिस एक्ट 2015 के तहत नशीले पदार्थों की खरीद अथवा बिक्री में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को नियुक्त करना गंभीर अपराध है। ज़किशोर न्याय (बालकों की देख-रेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 78 की परिभाषा- जो कोई व्यक्ति किसी किशोर बालक से किसी भी प्रकार की मादक मदिरा, नशीली दवाइया, मनप्रभावी पदार्थ के विक्रय, फुटकर में क्रय विक्रय, होटल या शॉप पर साथ रखेगा या तस्करी कराएगा तब ऐसे नियोजक व्यक्ति को अधिकतम सात

लेखक एडवोकेट बी. आर. अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

वर्ष कारावास और एक लाख रुपए तक के जुर्माने से दण्डित किया जा सकता है।

विशेष नोट:- यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि भले ही बच्चों को शराब परोसने या ग्राहकों के साथ सीधा व्यवहार करने के लिए नियुक्त ना किया जाए फिर भी शराब अथवा नशीले पदार्थों के व्यवसायिक संस्थान में उनकी नियुक्ति मात्र ही

मध्य प्रदेश में एस सी, एस टी, ओबीसी को स्वतंत्र राजनीतिक ताकत न मिल पाने के मुख्य कारण मनुवादी विचारधारा हैः अतर सिंह भारतीय

- आबादी बड़ी, पर सत्ता में हिस्सेदारी कम- मप्र में एस टी 21त्न, एस सी 16त्न, ओबीसी 50त्न अनुमानित है। यानी कुल 80- 85त्न आबादी है। परंतु मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, डी जी पी, बड़े मंत्रालय जैसे गृह, वित्त, उद्योग अक्सर सामान्य वर्ग के पास रहे हैं। 2018 - 2023 में शिवराज कैबिनेट में ओबीसी मुख्यमंत्री थे, फिर भी एस सी/एस टी को मुख्य विभाग बहुत कम दिए गए।

- आरक्षण वर्सेस असल ताकत- मप्र की 230 विधानसभा सीटों में 35 एस सी और 47 एस टी, टोटल 82 आरक्षित हैं। लेकिन जीतने वाले विधायक पार्टी की मनुवादी विचारधारा से बंधे होते हैं। टिकट बंटवारे में ÷जिताऊ उम्मीदवार÷ के नाम पर पार्टी हाईकमान का नियंत्रण रहता है। जोकि मनुवादी होता है। ओबीसी के लिए एक भी विधानसभा सीट आरक्षित नहीं है, जबकि आबादी सबसे ज्यादा है।

- नेतृत्व बिखरा हुआ है

एस टी- गोंड, भील, कोरकू, बैगा, भारिया – सबकी अलग मांगें हैं। झाबुआ-अलीराजपुर के भील वर्सेस मंडला-डिंडोरी के गोंड में एकजुटता नगण्य है।

एस सी- चमार, बाल्मीकि, बंसोड़ में मनुवादी विचारधारा के कारण इतनी गहरी प्रतिस्पर्धा है एक - दूसरे को खुद ही निगल लेते हैं।

ओबीसी- कुर्मी, यादव, लोधी, किरार, पवार – ये खुद अलग-अलग पार्टियों में बंटे हैं। उमा भारती लोधी, शिवराज सिंह चौहान किरार, कमलनाथ समर्थक ओबीसी अलग-अलग विभाजित हैं। अर्थात एससी, एसटी, ओबीसी की आबादी 85% से ज्यादा होते हुए भी मनुवादी विचारधारा के कारण ब्लॉक वोट नहीं बन पाता है।

- दो-दलीय ध्रुवीकरण मप्र में लड़ाई मुख्यतः बीजेपी वर्सेस कांग्रेस है। बसपा, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी, जयस जैसे दल एससी/एसटी वोट तो काटते हैं पर सरकार नहीं बना पाते हैं। एस सी/एस टी/ओबीसी वोटर को आखिर में बीजेपी या कांग्रेस में से सीट चुनना पड़ता है। समाज में मनुवादी

विचारधारा इतनी गहरी है कि अपनी पार्टी बनाने की कोशिशें सफल नहीं हुईं।

- आर्थिक-सामाजिक पिछड़ापन- मनुवादी विचारधारा ने बुंदेलखंड, चंबल, महाकौशल, मालवा के एससी/एसटी/ओबीसी बाहुल्य इलाकों में इन वर्गों के लोगों में शिक्षा, जमीन, बिजनेस पर पकड़ बनने ही नहीं दी है। चुनाव लड़ने के लिए पैसा, मीडिया, अफसरों तक पहुंच चाहिए। वो नेटवर्क अभी भी मनुवादी जातियों/शहरी वर्ग के पास ज्यादा है। संवैधानिक आरक्षण के कारण पंच-सरपंच बन जाते हैं लेकिन सिर्फ नाम के ही रहते हैं। निर्णय खुद से नही ले पाते हैं। जबकि एमएलए / मप्र बनना मुश्किल है और बन भी गए तो सिर्फ मनुवाद के विकास के लिए कार्य करते हैं।

- एसटी का ÷जल-जंगल-जमीन÷ का मुद्दा वर्सेस मुख्यधारा राजनीति- मप्र में 30% वन क्षेत्र है। एसटी के मुद्दे विस्थापन, पेसा कानून, वनाधिकार हैं। पर ये मुद्दे चुनावी एजेंडा कभी नहीं बन पाते हैं। नेता बन भी जाएं तो मंत्रालय में फैसले लेने की स्वतंत्रता नहीं मिलती है। अर्थात मनुवादी विचारधारा ही निर्णय लेती है।

- ओबीसी आरक्षण विवाद- पंचायत चुनाव में ओबीसी आरक्षण 2019 - 2022 तक कोर्ट में फंसा रहा। 27त्न ओबीसी आरक्षण पर आज तक राजनीतिक सहमति नहीं पाई। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ओबीसी वोट चाहते हैं परंतु खुलकर पिछड़ा वर्ग नेतृत्व को आगे नहीं करते हैं क्योंकि सामान्य वर्ग नाराज न हो जाए तथा मनुवादी विचारधारा को पोषण मिलना बंद न हो जाए।

अपवाद- शिवराज सिंह चौहान अन्य पिछड़ा वर्ग से मुख्यमंत्री रहे 18 + साल, उमा भारती अन्य पिछड़ा वर्ग से मुख्यमंत्री रहीं, बाबूलाल गौर, कैलाश जोशी पिछड़े वर्ग से थे तथा डॉ मोहन यादव अभी भी मुख्यमंत्री हैं। अनुसूचित जनजाति से कांतिलाल भूरिया, फग्गन सिंह कुलस्ते केंद्र में मंत्री बने परंतु ये व्यक्ति-विशेष की सफलता है, पूरे समुदाय की संरचनात्मक ताकत नहीं।

सार- संख्या है, वोट है, पर एकजुट एजेंडा, आर्थिक ताकत, और स्वतंत्र राजनीतिक प्लेटफॉर्म की कमी के कारण अनु जाति/अनु जन जाति/पिछड़ा वर्ग ÷किंग÷ के बजाय ÷किंगमेकर÷ बनकर रह जाते हैं। लेकिन मजे की बात यह है कि ये किंगमेकर इन्हीं के वर्ग की ताकत को निगल लिया है।

विश्लेषक
सामाजिक कार्यकर्ता
अतर सिंह भारतीय, मप्र

भ्रमण के दौरान ग्रामीणों से रूबरू हुए कलेक्टर

समग्र, ई-केवाईसी और फार्मर आईडी के लंबित हितग्राहियों की सूची पंचायत भवनों में चस्पा की जाए - कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता

विदिशा दिनांक 18 जून 2026

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने गुरुवार को बासौदा विकासखंड के विभिन्न ग्रामों का सघन भ्रमण कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं संचालित अभियानों की प्रगति का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं को सुना तथा संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निराकरण के निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को निर्देशित किया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत भवन में ऐसे नागरिकों की सूची सार्वजनिक रूप से चस्पा की जाए, जिनकी समग्र ई-केवाईसी, फार्मर आईडी अथवा अन्य आवश्यक जानकारी लंबित है। उन्होंने कहा कि इस कार्य को विशेष अभियान के रूप में संचालित किया जाए ताकि पात्र हितग्राहियों की जानकारी समय पर अद्यतन हो सके और वे शासन की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्रामीण क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रत्येक गांव में ÷आपदा

मित्र÷ तैयार करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि बी-1 का नियमित वाचन कराया जाए तथा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत निर्मित शासकीय परिसंपत्तियों को अनिवार्य रूप से राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराया जाए। साथ ही जिन हितग्राहियों को भूमि के पट्टे वितरित किए गए हैं, उनकी वास्तविक स्थिति एवं कब्जे की भी जांच सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने कलेक्टर के समक्ष पेयजल आपूर्ति, विद्युत व्यवस्था, वृद्धावस्था पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने तथा गांवों में साफ-सफाई संबंधी समस्याएं रखीं। कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए तथा मौके पर ही कई मामलों में कार्रवाई प्रारंभ कराई।

ग्राम अनवई में कलेक्टर श्री गुप्ता ने ग्राम पंचायत द्वारा संधारित किए जाने वाले पांच प्रमुख रजिस्टरों का भी निरीक्षण किया तथा अभिलेखों के संधारण और अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने पंचायत स्तर पर रिकॉर्ड प्रबंधन को और अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री ओ.पी. सनोडिया, एसडीएम श्रीमती अनुभा जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। भ्रमण के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की तथा पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की ।

नीट (UG) 2026 पुनर्परीक्षा को लेकर विदिशा पुलिस अलर्ट, पुलिस अधीक्षक विदिशा ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

21 जून को आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के निर्देश, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण परीक्षा सुनिश्चित करने पर दिया जोर

विदिशा।

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (NEET-UG) 2026 की पुनर्परीक्षा दिनांक 21 जून 2026 को आयोजित की जानी है। परीक्षा के सुचारू, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संचालन को दृष्टिगत रखते हुए आज दिनांक 18 जून 2026 को पुलिस अधीक्षक विदिशा श्री रोहित काशवानी द्वारा परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया निरीक्षण के दौरान संबंधित संस्थानों के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं अन्य जिम्मेदार अधिकारी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक द्वारा परीक्षा आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए इस दौरान निम्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, विदिशा राजमाता विजयराजे सिंधिया गर्ल्स कॉलेज, विदिशा निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस बल, महिला पुलिस कर्मियों

सहित, तैनात किया जाए। केंद्रों पर सशस्त्र पुलिस बल की उपस्थिति सुनिश्चित रहे तथा प्रश्न-पत्र एवं अन्य परीक्षा सामग्री को परीक्षा प्रारंभ होने तक पुलिस सुरक्षा एवं सीसीटीवी निगरानी में सुरक्षित रखा जाए। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सतत निगरानी रखने तथा जिला स्तर पर मॉनिटरिंग व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए गए। अभ्यर्थियों की प्रवेश द्वार पर सघन जांच की जाएगी तथा महिला अभ्यर्थियों की तलाशी महिला स्टाफ द्वारा निर्धारित सुरक्षित स्थान पर कराई जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्रों के आसपास कानून-व्यवस्था बनाए रखने, यातायात प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को रोकने के लिए विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही केंद्राध्यक्षों, जिला प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों के मध्य सतत समन्वय बनाए रखते हुए परीक्षा को पूर्णतः निष्पक्ष एवं व्यवस्थित वातावरण में संपन्न कराने पर बल दिया गया।

विदिशा पुलिस द्वारा नीट 2026 पुनर्परीक्षा के मद्देनजर व्यापक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए जा रहे हैं, जिससे सभी परीक्षार्थी सुरक्षित, शांत एवं भयमुक्त वातावरण में परीक्षा में सम्मिलित हो सकें ।

गोपाल कृष्ण को आदर्श मानते हुए घर-घर गाय और दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए संकल्पित है राज्य सरकार

इंदौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन शामिल हैं नागदा धार और रतलाम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य और दिव्य मंदिर बना है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सरयू के किनारे भव्य मंदिर निर्माण हुआ और हमारा 500 वर्ष का लंबा संघर्ष पूर्ण हुआ। भगवान श्रीराम ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण 12 वर्ष चित्रकूट में बिताए थे। राज्य सरकार दो हजार करोड़ रूपए की लागत से भव्य चित्रकूट धाम का निर्माण कर रही है। प्रदेश में जहां-जहां प्रभु श्रीराम के चरण पड़े, हमारी सरकार उन्हें श्रीराम वन गमन पथ में शामिल कर विकसित कर रही है। भगवान श्री गोपाल कृष्ण से संबंधित धर्म स्थलों को भी श्रीकृष्ण पाथेय के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ 2028 के भव्य और दिव्य आयोजन के लिए हजारों करोड़ के विकास कार्य तेजी से पूर्ण किए जा रहे हैं। उज्जैन, इंदौर और आसपास के सभी जिलों में विकास को गति मिल रही है। इंदौर-उज्जैन मेट्रोपोलिटन में धार, नागदा और रतलाम को भी शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाजी धाम में फर्श, बाउंड्री बाल और पेयजल जैसी सभी बुनियादी व्यवस्थाएं करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन जिले के नागदा में बालाजी धाम में श्रीराम दरबार प्राण प्रतिष्ठा व ध्वज पूजा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का श्री बालाजी धाम में भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गेहलोत विशेष रूप से उपस्थित थे।

श्रीराम वन गमन पथ और श्रीकृष्ण पाथेय को विकसित किया जा रहा है

नागदा के श्री बालाजी धाम में सभी बुनियादी व्यवस्थाएं सुविधाएं होंगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागदा में श्रीराम दरबार प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव को किया संबोधित

प्रदेश में दूध उत्पादन को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम के विराट व्यक्तित्व से हमें मानवीय मूल्यों के साथ जीवन जीने की सीख मिलती है। प्रभु श्रीराम त्याग की प्रतिमूर्ति थे, वे एक आदर्श पुत्र, आदर्श पिता, आदर्श भाई थे। रामराज्य में नागरिकों को किसी चीज की कोई कमी नहीं थी। इसी भावना के साथ हमारी सरकार गरीब, किसान और नारी शक्ति के सशक्तिकरण द्वारा अंत्योदय के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। भगवान हनुमान के जीवन का प्रत्येक क्षण प्रभु श्रीराम के लिए समर्पित था। हमें हनुमान जी के जीवन की अच्छाईयों को धारण करना चाहिए।

शांति के लिए विश्व सनातन धर्म की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहा है

कर्नाटक के राज्यपाल श्री गहलोत ने कहा कि डेलनपुर में भव्य मंदिर बनकर तैयार हुआ है। विश्व कल्याण और शांति के लिए दुनिया आज सनातन धर्म की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही है। स्थानीय सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने श्री बालाजी धाम के निर्माण और मंदिर की विस्तार योजना पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में परमपूज्य 1008 नारायण त्यागी महाराज, पूज्य मधुसूदन त्यागी महाराज, विधायक डॉ. तेजबहादुर, विधायक सतीश मालवीय, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, विधायक

डोंगला से गुजरने वाला नया फोरलेन लिखेगा महिदपुर की नई तकदीर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उज्जैन सहित आसपास के क्षेत्र को मोक्षदायिनी मां क्षिप्रा का आशीर्वाद प्राप्त है। माँ क्षिप्रा इस क्षेत्र के किसानों को अन्न उत्पादन के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध कराकर आशीर्वाद प्रदान करती है। महिदपुर भाग्यशाली है कि क्षिप्रा नदी पर बने लगभग सभी बांध और जलाशय महिदपुर में ही हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ- 2028 के भव्य आयोजन के लिए इन दिनों उज्जैन और इसके आसपास हजारों करोड़ रुपये के विकास कार्य जारी हैं। डोंगला से गुजरने वाला नया फोरलेन महिदपुर की नई तकदीर लिखेगा। महिदपुर शहर ट्रांसपोर्टेशन सेक्टर में भी अपनी अलग पहचान रखता है, इसमें भी और गति आएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को उज्जैन के महिदपुर में विकास कार्यों के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से कुल 207 करोड़ 57 लाख रुपए की लागत के 19 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इसमें करीब 188 करोड़ 42 लाख रुपए की लागत के सामाकोटा बैराज के लोकार्पण सहित क्षेत्र के 13 उप-स्वास्थ्य केंद्र के नए भवनों, महाविद्यालय एवं स्कूलों के नवीन भवनों तथा नवीन विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सामाकोटा बैराज उज्जैन जिले में जल संरक्षण को नई ऊर्जा देगा। इससे भू-जल स्तर में सुधार होगा, जिससे हमारे अन्नदाता किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल और खेतों को नई संजीवनी मिलेगी। इतना ही नहीं, पानी की हरेक बूंद को सहेजने का यह भागीरथ प्रयास आने वाले सिंहस्थ और उज्जैन के भविष्य के लिए कवच का कार्य करेगा।

इंदौर। राष्ट्रपति श्रीमति द्रौपदी मुर्मु को राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने इंदौर एयरपोर्ट पर विदाई दी।

मुख्यमंत्री ने वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर इंदौर में किया माल्यार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई का अद्वितीय साहस, अमर शौर्य और अदम्य राष्ट्रप्रेम संपूर्ण देश के लिए सदैव प्रेरणापुंज बना रहेगा। उनका बलिदान मातृभूमि के सम्मान और स्वतंत्रता के लिये सदैव हर भारतीय को प्रेरित करता रहेगा। झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने अल्पायु में मातृभूमि की रक्षा और स्वाभिमान के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरूवार को इंदौर में वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर इंदौर में ऐतिहासिक किला मैदान स्थित वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा और चित्र पर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार महापुरुषों और

स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों के गौरवशाली इतिहास को सहेजने तथा उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। इंदौर का यह ऐतिहासिक किला मैदान क्षेत्र भी हमारी ऐतिहासिक धरोहरों और महान वीरों की स्मृतियों का साक्षी है। इस अवसर पर नगरीय विकास प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, श्री सुमित मिश्रा, श्री सुदर्शन गुप्ता, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार और कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे।

केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड निवेशकों को शिक्षित करने के लिए मध्य प्रदेश में 'निवेश बस यात्रा' लेकर आई

केनरा रोबेको एएमसी की निवेशक शिक्षा बस निवेशकों को म्यूचुअल फंड के बारे में शिक्षित करने के लिए मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों का दौरा करेगी और इस गतिविधि का समापन ग्वालियर में होगा

जबलपुर

18 जून 2026 भारत के दूसरे सबसे पुराने म्यूचुअल फंड, केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड के निवेश प्रबंधक), मध्य प्रदेश में म्यूचुअल फंड निवेश के बारे में जागरूकता पैदा करने और राज्य भर के निवेशकों को शिक्षित करने के लिए ÷निवेश बस यात्रा÷ शुरू करने के लिए तैयार है।

इस पहल का उद्देश्य राज्य के लोगों के बीच वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना और म्यूचुअल फंड निवेश के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह बस यात्रा इंदौर से शुरू होगी और इसके बाद उज?जैन, देवास, भोपाल, जबलपुर और ग?वालियर पहुंचेगी। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर लोगों को निवेश से जुड़ी जानकारी दी जाएगी। केनरा रोबेको एएमसी

के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रजनीश नरूला ने कहा, ÷आज के बदलते वित्तीय परिदृश्य में, ज्ञान उतना ही शक्तिशाली है जितना कि समझ। एक जानकार निवेशक न केवल अपने लिए बेहतर निर्णय लेता है बल्कि एक मजबूत वित्तीय इकोसिस्टम में भी योगदान देता है। हम निवेश के ज्ञान को सरल, सुलभ और व्यावहारिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। निवेश बस यात्रा का उद्देश्य वित्तीय शिक्षा को सीधे समुदायों तक पहुँचाना है। केरल, पंजाब, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक, राजस्थान, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, असम, महाराष्ट्र, गोवा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू जैसे राज्यों में पहले ही पहुँचने के बाद, अब हम इसे मध्य प्रदेश ले जा रहे हैं ताकि कई शहरों में निवासियों के साथ जुड़ सकें, निवेश की अवधारणाओं को सरल बना सकें, आम मिथकों को दूर कर सकें और दीर्घकालिक वित्तीय योजना को बढ़ावा दे सकें।÷

निवेश बस यात्रा राज्य भर के प्रमुख स्थानों पर निवासियों के साथ जुड़ेगी, उन्हें निवेश के बारे में आसानी से समझ में आने वाली जानकारी प्रदान करेगी। इंटरैक्टिव सत्रों और डिजिटल संसाधनों के माध्यम से, इस पहल का उद्देश्य निवेश की अवधारणाओं को सरल बनाना और वित्तीय निर्णय लेने के लाभों को समझाना है।

केनरा रोबेको एएमसी के हेड-सेल्स एंड मार्केटिंग गौरव गोयल ने कहा, ÷हम वित्तीय ज्ञान को व्यावहारिक और सुलभ बनाकर निवेशकों को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह निवेश बस यात्रा ज़मीन पर हमारी प्रतिबद्धता का ही एक विस्तार है, जो सीधे समुदायों को जोड़ती है और निवेशकों से उनके अपने माहौल में मिलती है। सीधे जुड़कर, हमारा उद्देश्य व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करना, आम गलतफहमियों को दूर करना और निवेशकों के बीच दीर्घकालिक निवेश की सोच को बढ़ावा देना है ।

मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर ध्वनि प्रदूषण फैलाने वालों पर यातायात पुलिस की सख्त

अशोकनगर

पुलिस अधीक्षक अशोकनगर श्री राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में जिले में यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित एवं ध्वनि प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के उद्देश्य से विशेष वाहन चेकिंग अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। यातायात प्रभारी निरी0 श्री मनीष सिंह चैहान के नेतृत्व में यातायात स्टाफ सउनि0 इंतेसार अहमद, सउनि0 नारायण बुनकर, आरक्षक गजेन्द्र बघेल, आरक्षक मंगल सिंह कुशवाह एवं आरक्षक धीरज बाथम द्वारा संयुक्त रूप से विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कुल 10 बुलेट मोटरसाइकिलों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान तीन मोटरसाइकिलों में नियम विरुद्ध एवं मॉडिफाइड साइलेंसर लगे पाए गए, जिनमें वाहन क्रमांक MP06MB2600, MP08MN0109 ,MP67MF3602 भी शामिल है। उक्त वाहनों से अत्यधिक शोर एवं पटाखों जैसी विस्फोटक ध्वनि उत्पन्न होकर आमजन की शांति भंग की जा

रही थी तथा गंभीर ध्वनि प्रदूषण फैलाया जा रहा था। मोटर वाहन नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत चालानी कार्रवाई करते हुए कुल 3000 (प्रति वाहन 1000) अथवा नियमानुसार निर्धारित समन शुल्क अधिरोपित किया गया। साथ ही वाहनों में लगे अवैध एवं मॉडिफाइड साइलेंसरों को मौके पर ही हटवाकर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की गई। मॉडिफाइड साइलेंसरों से निकलने वाली तेज एवं विस्फोटक ध्वनि न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि विद्यार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों, मरीजों एवं आम नागरिकों के लिए गंभीर असुविधा का कारण बनती है। ऐसे वाहनों के विरुद्ध भविष्य में भी नियमित रूप से जांच अभियान चलाकर प्रभावी कार्यवाही की जाएगी। पुलिस अधीक्षक अशोकनगर ने जिले के समस्त वाहन चालकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों में किसी भी प्रकार के अवैध अथवा मॉडिफाइड साइलेंसर का उपयोग न करें तथा वाहनों में केवल मानक एवं अधिकृत उपकरण ही लगाएं। यातायात नियमों का पालन कर नागरिक जिम्मेदारी का परिचय दें और सुरक्षित, शांतिपूर्ण एवं अनुशासित यातायात व्यवस्था बनाए रखने

निगमायुक्त ने की सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की विभागवार समीक्षा

जबलपुर

विभागीय प्रमुखों और जोनल अधिकारियों को फील्ड पर रहकर कार्य करने दिए निर्देश*

आवेदनों का निराकरण संतुष्टि और गुणवत्ता के साथ होद्वनिगमायुक्त लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

?जबलपुर। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के अंतर्गत दर्ज आम नागरिकों के आवेदनों एवं विषयों पर त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपूर्ण निवारण हेतु समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के दौरान निगमायुक्त ने स्पष्ट किया कि जन-समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता क्षम्य नहीं होगी।?समीक्षा बैठक में निगमायुक्त श्री अहिरवार ने कड़ा रुख अपनाते हुए सभी विभागीय प्रमुखों कार्यपालन यंत्रियों और जोनल अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे केवल कार्यालयीन स्तर पर समीक्षा न करें, बल्कि स्वयं फील्ड पर रहकर कार्यों की मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि

जब जिम्मेदार अधिकारी मौके पर उपस्थित रहेंगे, तो कार्य में पारदर्शिता आएगी और जन-समस्याओं का व्यावहारिक व स्थाई समाधान संभव हो सकेगा।

?लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए निगमायुक्त ने अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि किसी भी शिकायत को आवेदक की संतुष्टि और कार्य की गुणवत्ता अनिवार्य रूप से परिलक्षित होनी चाहिए। निर्माण कार्य, जल प्रदाय, सीवरेज, और स्वच्छता से जुड़ी शिकायतों को पूरी तकनीकी सटीकता के साथ हल किया जाए ताकि नागरिकों को दोबारा परेशानी न हो।

?निगमायुक्त ने विभिन्न विभागों में एल-1, एल-2, एल-3 और एल-4 स्तर पर लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी अधिकारियों को एक निश्चित समय-सीमा के भीतर वैध शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करने के आदेश दिए। उन्होंने सचेत किया कि समयावधि बीतने के बाद बिना किसी ठोस कारण के लंबित रहने वाले प्रकरणों पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी और उनके विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।निगमायुक्त ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन की अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण प्रणाली है। हमारा उद्देश्य जबलपुर के नागरिकों को एक उत्तरदायी और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था प्रदान करना है।

?बैठक में अपर आयुक्त, उपायुक्त, अधीक्षण यंत्री,सभी विभागों के कार्यपालन यंत्री, स्वास्थ्य अधिकारी, और समस्त जोनल अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

चुटकियों में दूर होगी करेले की कड़वाहट, सब्जी बनाने से पहले फॉलो करें ये आसान टिप्स

करेला खाना हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन सी, विटामिन ए, फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम और कई तरह के एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो बॉडी में जरूरी पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं। हालांकि, करेले का स्वाद काफी कड़वा होता है, जिससे कई लोग खाना पसंद नहीं करते हैं। आप कुछ आसान टिप्स को फॉलो कर करेले की कड़वाहट को आसानी से कम कर सकते हैं। करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं, जिन्हें आप आसानी से फॉलो कर सकते हैं।

नमक लगाकर रखें

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप इसमें नमक को मिला सकते हैं। इसके लिए आप पहले करेले को काट लें और इसमें नमक को मिलाकर करीब आधे घंटे तक रख दें। इससे करेले से पानी निकलेगा और उसकी कड़वाहट आसानी से निकल जाएगी। अब आप इसको साफ पानी से धो लें। अब आप इसकी सब्जी बना सकते हैं।

सब्जी बनाने से पहले करेले को उबालें

करेले को काटने के बाद आप इसे उबाल सकते हैं। उबालने के लिए आप एक पैन में पानी लें और उसमें हल्का नमक डालकर करीब सात मिनट तक उबाल लें। इससे करेले की कड़वाहट कम होती है।

दही या छाछ का करें उपयोग

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप दही या छाछ का भी उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप दही या छाछ में करेले को मिलाकर रख दें। इससे करेले का स्वाद भी बेहतर होता है। अब आप इससे भरवां करेला भी बना सकते हैं।

प्याज और मसालों से करें कड़वाहट कम

करेले की सब्जी बनाते समय प्याज, लहसुन, सौंफ, अमचूर या फिर नींबू के रस को डालकर भी आप इसकी कड़वाहट को कम कर सकते हैं। ये सामग्री इसकी स्वाद को बढ़ाती ही है और करेले की कड़वाहट भी कम करती है।

सब्जी बनाते समय निकालें बीज

पके करेले में कड़वाहट अधिक होती है। ऐसे में आप सबसे पहले करेले काटते समय आप बीज को निकाल लें। दरअसल, बीजों में कड़वाहट होती है और इसको निकालने से स्वाद भी बेहतर होता है।

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाते समय ना करें ये छोटी-छोटी गलतियां

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

अपनी स्किन की केयर करने के लिए हम सभी कई तरह के इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन्हीं में से एक है मुल्तानी मिट्टी। खासतौर से, ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। इससे ना केवल चेहरे को ताजगी मिलती है, बल्कि एक चमक भी आती है। अक्सर अपनी स्किन को ठंडक देने और उसे पैम्पर करने के लिए हम मुल्तानी मिट्टी को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं।

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि मुल्तानी मिट्टी आपकी स्किन के लिए बहुत अधिक फायदेमंद है। लेकिन इसे सही तरह से इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। अगर आप इसे गलत तरीके से अपनी स्किन पर अप्लाई करती हैं, तो ये चेहरे को निखारने के बजाय और ज्यादा रूखा-सूखा और बेजान बना सकती है। जी हां, मुल्तानी मिट्टी भले ही नेचुरल हो, लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मुल्तानी मिट्टी को चेहरे पर लगाते समय की जाने वाली कुछ छोटी-छोटी गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचना चाहिए-

मास्क को बहुत देर तक लगाए रखना

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

बिना टेस्ट किए लगाना

हर किसी की त्वचा अलग होती है। किसी को एलर्जी भी हो सकती है। इसलिए पहली बार में ही मुल्तानी मिट्टी को पूरे चेहरे पर लगाने से बचना चाहिए। हमेशा पहले थोड़ा सा पेस्ट हाथ या कान के पीछे लगाकर देखो। अगर आपको किसी तरह की जलन या रेडनेस का अहसास हो रहा है तो इसे अवॉयड करें।

हर दिन मुल्तानी मिट्टी लगाना

यह सच है कि मुल्तानी मिट्टी स्किन को फायदा पहुंचाती है, लेकिन इसे हर दिन लगोन से बचना चाहिए। मुल्तानी मिट्टी रोजाना लगाने वाली चीज नहीं है, खासकर अगर त्वचा ड्राय या सेंसिटिव हो। इससे आपकी स्किन को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, मास्क को हफ्ते में 1 या 2 बार ही लगाएं।

सिर्फ मुल्तानी मिट्टी ही लगाना

भले ही आप मुल्तानी मिट्टी का मास्क बना रही हैं, लेकिन उसमें सिर्फ पानी मिक्स करके नहीं लगाना चाहिए। यह आपकी स्किन पर थोड़ा हार्श हो सकता है। हमेशा अपने स्किन टाइप के हिसाब से कुछ इंग्रीडिएंट्स मिक्स करें। मसलन, अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप शहद, दूध या एलोवेरा मिक्स करें। ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी के साथ गुलाब जल, नींबू का रस, चंदन पाउडर का इस्तेमाल करना अच्छा माना जाता है। अगर आपकी स्किन सेंसेटिव है तो ऐसे में खीरे का रस या दही इस्तेमाल करें।

नगर परिषद बनगवा में कलेक्टर का बड़ा एक्शन! मेन गेट बंद कर 2 घंटे चली जांच, फाइलें जप्त, कर्मचारियों में मचा हड़कंप

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

राजनगर। नगर परिषद बनगवा में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया जब अनूपपुर कलेक्टर हर्षल पंचोली बिना किसी पूर्व सूचना के औचक निरीक्षण पर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कलेक्टर के पहुंचते ही परिषद कार्यालय का मुख्य द्वार बंद करा दिया गया और इसके बाद करीब दो घंटे तक हाजिरी रजिस्टर, वित्तीय अभिलेखों, निर्माण कार्यों से जुड़ी फाइलों तथा अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों की बारीकी से जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान कई दस्तावेजों और फाइलों में प्रथम दृष्टया अनियमितताएं सामने आने पर संबंधित अभिलेखों को जप्त कर जांच के लिए अपने कब्जे में लिया गया। कलेक्टर के इस सख्त रवैये से पूरे परिषद कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सूत्रों की मानें तो निरीक्षण के दौरान परिषद के अकाउंटेंट एवं लेखपाल राजेश मिश्रा

को लेकर भी कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर की। बताया जा रहा है कि उन्होंने मौखिक रूप से सोमवार से डूडा अटैच किए जाने की बात कही। हालांकि इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी होना शेष है।

इतना ही नहीं, निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित पाए गए कर्मचारियों की उपस्थिति भी खंगाली गई। चाहे नियमित कर्मचारी हों, संविदा कर्मचारी हों या अन्य स्टाफ, सभी की जानकारी तलब करते हुए अनुपस्थित कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

एक के बाद एक शिकायतों के बीच हुई कार्रवाई

नगर परिषद बनगवा पिछले कुछ समय से विभिन्न निर्माण कार्यों, भुगतान प्रक्रियाओं, वित्तीय अनियमितताओं और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर लगातार चर्चाओं में रही है। ऐसे में कलेक्टर का अचानक पहुंचना और फाइलों को जप्त कर जांच शुरू करना कई बड़े सवाल खड़े कर रहा है।

नगर में चर्चा, क्या खुलेंगे बड़े राज?

कलेक्टर की इस कार्रवाई के बाद नगर में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। लोग सवाल उठा रहे हैं कि आखिर ऐसी कौन सी फाइलें थीं जिन्हें तत्काल जप्त करने की आवश्यकता पड़ी? क्या जांच में किसी बड़े वित्तीय या प्रशासनिक गड़बड़ी का खुलासा होने वाला है? और क्या आने वाले दिनों में जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर बड़ी कार्रवाई देखने को मिल सकती है? फिलहाल नगर परिषद बनगवा में कलेक्टर की इस कार्रवाई ने प्रशासनिक गलियारों से लेकर आम जनता तक के बीच हलचल बढ़ा दी है। अब सभी की निगाहें जांच की अगली कार्रवाई और प्रशासन के आधिकारिक कदमों पर टिकी हुई हैं।

÷कलेक्टर के औचक निरीक्षण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब फाइलों में छिपी हर कहानी सामने आ सकती है, और यदि अनियमितताएं साबित हुईं तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई तय मानी जा रही है।÷

प्रजापति समाज द्वारा छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित, मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। समस्त प्रजापति समाज द्वारा दिनांक 14 जून 2026 को रॉयल दरबार उदयपुरा में छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्या की देवी मां सरस्वती के पूजन-अर्चन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया गया और समाज के वरिष्ठजनों ने विद्यार्थियों को शिक्षा एवं भविष्य में सफलता के लिए मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गणेश प्रजापति (बिट्टू भैया) ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में पुरुषोत्तम जी प्रजापति (सेवानिवृत्त शिक्षक, डोभी) उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष केशव जी पटेल एवं प्रदेश प्रवक्ता बृज गोपाल जी लोया भी शामिल हुए। श्री लोया ने दक्ष प्रजापति के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को प्रेरणादायक संदेश दिया। समारोह में विभिन्न जिलों से आए कक्षा 10वीं एवं 12वीं के मेधावी छात्र-छात्राओं को शील्ड, मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। कक्षा 10वीं में कुल 23 तथा कक्षा 12वीं में 24 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।

कक्षा 10वीं के प्रतिभाशाली विद्यार्थी

प्रथम स्थान – अनमोल प्रजापति (नरसिंहपुर) 96.2%

द्वितीय स्थान – सतीश प्रजापति (देवरी) 95.8%

तृतीय स्थान – देवराज प्रजापति (बेलखेड़ी, जबलपुर) 94.8%

कक्षा 12वीं कला संकाय

प्रथम – प्रिया प्रजापति

द्वितीय – रानू प्रजापति (रामपुर) 79.2%

तृतीय – रोशनी प्रजापति 74.8%

कक्षा 12वीं कॉमर्स

प्रथम – अनुष्का प्रजापति (भोपाल) 78.4%

द्वितीय – अंकित प्रजापति (भोपाल) 73%

तृतीय – अंकेश प्रजापति (डोभी) 70.4%

कक्षा 12वीं बायो

प्रथम – संजय प्रजापति (पुतर्रा) 90.4%

द्वितीय – पीयूष प्रजापति (गोरखपुर) 89.5%

तृतीय – सुमन प्रजापति (दिघावन, देवरी) 75.8%

कक्षा 12वीं गणित

प्रथम – रिया प्रजापति (सिलवानी) 85%

द्वितीय – कृष्ण प्रजापति (बरेली, अहमदपुर) 81%

तृतीय – अंशिका प्रजापति (मऊ, गाडरवारा) 78.4%

कार्यक्रम में समाज के सक्रिय सदस्यों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की और आयोजन को सफल बनाया। सभी अतिथियों एवं विद्यार्थियों का आभार मोहन सर द्वारा व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम का मंच संचालन शिक्षक बलराम प्रजापति ने किया।

मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन निरस्त होने के विरोध में NSUI ने किया चुनाव आयोग का पुतला दहन

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन जी का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में एन.एस.यू.आई जिला रायसेन द्वारा उदयपुरा में चुनाव आयोग का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया।

एन.एस.यू.आई जिला अध्यक्ष अजय रघुवंशी के नेतृत्व में यह प्रदर्शन कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी जी एवं एन.एस.यू.आई प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे जी के निर्देशानुसार किया गया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग द्वारा मीनाक्षी नटराजन जी का नामांकन असंवैधानिक रूप से निरस्त किया गया है और लोकतंत्र की लगातार हत्या की जा रही है।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी करते हुए अपना विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन में मुख्य रूप से पंकज राय, अवधेश सिंह कौरव, परसोत्तम रघुवंशी, संदीप विश्वकर्मा, नमीरुद्दीन खान, सचिन लोधी, अमित मेहरा, फारुख पटेल, फैजान खान, उजेर खान, हरिश खान, नावेद खान, रोहित नरवरिया, कृष्ण सहित बड़ी संख्या में NSUI कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस कस्टडी से संदेही आरोपी हुआ फरार, प्रधान आरक्षक निलंबित, 2 एस आई पर जांच के आदेश

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अनूपपुर। जिले के चचाई थाना क्षेत्र में पुलिस अभिरक्षा से एक संदेही आरोपी के फरार होने के मामले में पुलिस अधीक्षक विक्रम मुराब ने कड़ा रुख अपनाया है। आरोपी की सुरक्षा में लापरवाही पाए जाने पर प्रधान आरक्षक मोहन सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर रक्षित केंद्र अनूपपुर संबद्ध कर दिया गया है। वहीं मामले में शामिल दो सहायक उप निरीक्षकों (एएसआई) के विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं। थाना चचाई में दर्ज अपराध की धारा 303(2) बीएनएस के तहत संदेही आरोपी मंगेश सिंह निवासी टिकरीटोला, बुढ़ार को 15 जून 2026 को माल बरामदगी एवं विवेचना संबंधी कार्रवाई के लिए पुलिस अभिरक्षा में लिया गया था। आरोपी को विवेचक एएसआई प्यारेलाल सिंह, एएसआई लालमणि चौधरी तथा प्रधान आरक्षक मोहन सिंह थाना चचाई लेकर आ रहे थे। इसी दौरान विवेचक अधिकारियों को थाना अमलाई क्षेत्र में हुई चोरी की गाड़ियों एवं उनके कलपुर्जों की तस्दीक करनी थी। दोनों एएसआई आरोपी को प्रधान आरक्षक मोहन सिंह की निगरानी में छोड़कर अमलाई थाना परिसर में जांच के लिए चले गए। बताया गया कि वाहन थाना अमलाई की बाउंड्री के बाहर खड़ा था। कुछ समय बाद जब दोनों अधिकारी वापस लौटे तो आरोपी वाहन में मौजूद नहीं मिला। पूछताछ में प्रधान आरक्षक मोहन सिंह ने बताया कि आरोपी अपनी कलाई से हथकड़ी सरकाकर भाग निकला। पुलिस अधीक्षक विक्रम मुराब ने आरोपी की सुरक्षा में घोर लापरवाही एवं उदासीनता मानते हुए प्रधान आरक्षक मोहन सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही घटना के संबंध में एएसआई प्यारेलाल सिंह एवं एएसआई लालमणि चौधरी की भूमिका की जांच के आदेश भी जारी किए गए हैं। पुलिस फरार संदेही आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

अदृश्य खतरा मोबाइल फोन के रेडिएशन का बच्चों के दिमाग तक सीधा असर

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

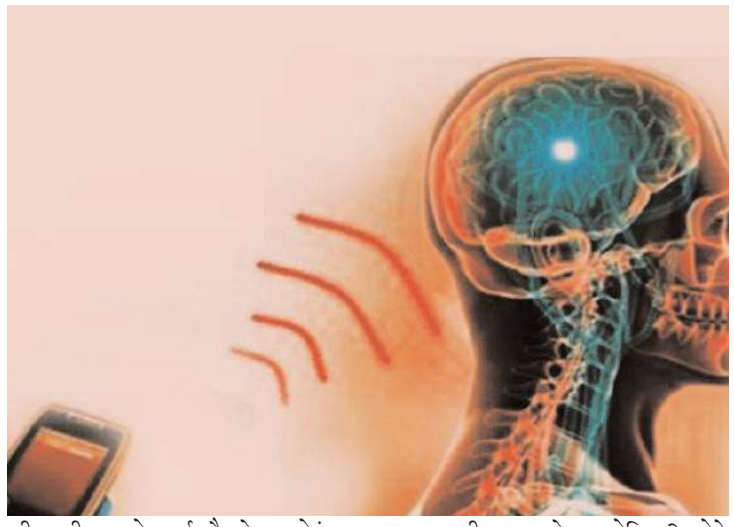

फ़ोन से निकलने वाला रेडिएशन 5 साल के बच्चे के दिमाग में लगभग पूरी तरह से अंदर तक पहुँच सकता है। एक कोरियाई पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजिस्ट द्वारा दशकों की रिसर्च की समीक्षा इन नतीजों तक पहुँची है। ये आँकड़े बिल्कुल भी हल्के नहीं हैं। 5 साल के बच्चे की खोपड़ी वयस्क 2 मिमी 10 साल 1 मिमी 5 साल 0.5 मिमी यानी वयस्क के मुकाबले लगभग एक चौथाई पतली होती है।इसका मतलब फोन से निकलने वाली विकिरण लगभग सीधे मस्तिष्क तक पहुँच सकती है। लेकिन खोपड़ी सिर्फ आधी कहानी है।बच्चों के दिमाग में ज़्यादा नमी और आयनिक तत्व होते हैं। समान एक्सपोज़र पर भी ज़्यादा ऊर्जा अवशोषण गहरा प्रभाव शोध कहता है।1,928 बच्चे – ल्यूकेमिया 956 बच्चे – मस्तिष्क ट्यूमर रेडियो ट्रांसमीटर के 2 चरू के अंदर रहने वाले बच्चों में 2.15 गुना ज़्यादा जोखिम 20 चरू से दूर रहने वालों के मुकाबले और सबसे चौंकाने वाली बात ये सब उस समय की बात है। जब स्मार्टफोन नहीं थे।हर घर में WiFi नहीं था हर क्लास में टैबलेट नहीं था।आज की हकीकत होमवर्क टैबलेट मनोरंजन फोन स्कूल ड्डद्धस्रद्ब रात भर राउटर चालू हर सेकंड एक्सपोज़र हर दिन बढ़ता संपर्क और इसी समय बच्चे के दिमाग में हर सेकंड लाखों न्यूरल कनेक्शन बन रहे हैं।जीवन का सबसे संवेदनशील विकासात्मक चरण सोचिए क्या हम अनजाने मे बच्चों को अदृश्य तरंगों के बीच बड़ा कर रहे हैं? क्या ये सिर्फ सुविधा है या एक धीमा, अनदेखा जोखिम? सोते समय फोन दूर रखें WiFi रात में बंद करें बच्चों का स्क्रीन टाइम सीमित करें कॉल के लिए स्पीकर ईयरफोन का उपयोग करें बिना टेक हटाए भी 80त्न तक एक्सपोज़र कम किया जा सकता है ।अदृश्य तरंगें दिखाई नहीं देतीं लेकिन उनका असर महसूस हो सकता है। सावधानी रखें वे अभिभावकों जिनके घर में छोटे बच्चे हैं।

अमलाई में भाजपा पिछड़ा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार का भव्य स्वागत, कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

अमलाई। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के अमलाई आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष के स्वागत को लेकर कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह देखने को मिला तथा पूरे कार्यक्रम के दौरान संगठनात्मक एकता और मजबूती का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष राव उदय प्रताप, प्रदेश उपाध्यक्ष राम पटेल, प्रदेश कोषाध्यक्ष शक्ति लक्षकार, संभाग प्रभारी सुशील राय, भाजपा जिला कोषाध्यक्ष अनूपपुर विवेक वियानी तथा जिला अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा धर्मेंद्र सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का पुष्पमालाओं से स्वागत कर सम्मान किया गया। प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने अपने उद्बोधन में कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण से मजबूत हुआ है। उन्होंने पिछड़ा वर्ग मोर्चा के कार्यकर्ताओं से समाज के बीच पहुंचकर केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता भाजपा की विचारधारा का सशक्त प्रतिनिधि है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की योजनाएं पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस आयोजन की विशेष बात यह रही कि कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्थाएं वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद एवं भाजपा नेता पवन चीनी तथा उनकी टीम द्वारा की गईं। स्वागत समारोह की तैयारियों से लेकर अतिथियों के स्वागत, बैठक व्यवस्था एवं कार्यकर्ताओं के समन्वय तक सभी व्यवस्थाओं का सफल संचालन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे एक सफल एवं अनुकरणीय कार्यक्रम बताया। कार्यक्रम का संचालन भाजपा नेता डॉ. राज पाण्डेय ने प्रभावी ढंग से किया, जबकि आभार प्रदर्शन भाजपा नेत्री एवं पूर्व जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा मीना तनवर द्वारा किया गया। अपने आभार उद्बोधन में उन्होंने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का कार्यक्रम में सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर मण्डल उपाध्यक्ष सुभाष मिश्रा, दशरथ नायक, किसान मोर्चा मीडिया प्रभारी नीरज गुप्ता, युवा मोर्चा जिला महामंत्री मनीष तिवारी, युवा मोर्चा मण्डल अध्यक्ष रवि दुबे, यदुराज पनिका, अजय दाहिया, नीरज नामदेव, विजय तिवारी, अखण्ड प्रताप सिंह, जीवन यादव, घनश्याम तनवर, मण्डल अध्यक्ष अनूपपुर बृजेश चतुर्वेदी, राजनगर मण्डल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी, भाई सुनील गुप्ता हरी मौर्य, संजय शुक्ला, दिन्नू पासी, राघव पाण्डेय, राकेश सिंह मो रब्बानी, सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान संगठन विस्तार, आगामी राजनीतिक गतिविधियों तथा सामाजिक समरसता को लेकर भी चर्चा की गई। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा सरकार की जनहितकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

समारोह के अंत में अतिथियों का सम्मान किया गया तथा सभी ने आयोजन की सफलता के लिए पवन चीनी एवं उनकी टीम को बधाई दी। पूरे कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं का उत्साह, अनुशासन और संगठन के प्रति समर्पण देखने को मिला, जिसने कार्यक्रम को यादगार बना दिया

पुरुषोत्तम माह में आयोजित श्रीरामचरितमानस पाठ का हुआ भव्य समापन, बाजे-गाजे के साथ निकली शोभायात्रा

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

देवरी / रायसेन ञ्ज ग्राम कोड़ा जमुनिया, तहसील देवरी स्थित खेरापति दरबार (एनएच-45) में पुरुषोत्तम माह के पावन अवसर पर आयोजित श्रीरामचरितमानस पाठ का श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ समापन किया गया। कई दिनों तक चले इस धार्मिक आयोजन में ग्राम सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। समापन अवसर पर भगवान श्रीराम की भव्य शोभायात्रा बाजे-गाजे के साथ पूरे नगर में निकाली गई। यात्रा के दौरान श्रद्धालु भजनों और जयकारों के साथ भक्तिमय माहौल में शामिल हुए। जगह-जगह ग्रामीणों द्वारा शोभायात्रा का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिवस विधि-विधान से पूजन-अर्चन एवं श्रीरामचरितमानस पाठ का समापन किया गया। इसके बाद विशाल सामूहिक भोज (महाप्रसादी) का आयोजन हुआ, जिसमें ग्रामवासियों सहित आसपास के गांवों से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन समिति ने बताया कि यह पूरा आयोजन आपसी सहयोग, श्रद्धा और सामाजिक समरसता का प्रतीक रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में सद्भावना समिति एवं समस्त ग्रामवासियों का विशेष योगदान रहा।

नीट अंडर ग्रेजुएट परीक्षा इक्कीस जून को मुख्यमंत्री ने वीसी से की नीट की तैयारियों की समीक्षा

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नीट राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है। इसके लिए सभी तैयारियां समय से पहले पूरी कर ली जाएं। बेहतर प्रबंधन एवं कार्य कुशलता से पूरी पारदर्शिता के साथ यह परीक्षा सम्पन्न करायें। उन्होंने कहा कि परीक्षा आयोजन में किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की कमी या त्रुटि न रहे। परीक्षा कराने में संलग्न सभी अधिकारी-कर्मचारी पूरी मुस्तैदी से अपने कर्तव्यों का पालन करें। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मंत्रालय में नीट अंडर ग्रेजुएट परीक्षा-2026 की आगामी रविवार 21 जून को होने वाली परीक्षा की तैयारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समीक्षा की। यह परीक्षा प्रदेश के 30 जिलों के 283 परीक्षा केंद्रों में सम्पन्न कराई जाएगी। नीट परीक्षा की कुल अवधि %सवा तीन घंटे% की होगी। इस बार सभी परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नीट परीक्षा के समन्वयक उच्च शिक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि सभी परीक्षा केन्द्रों में लगाई जाने वाली बायोमैट्रिक मशीन, सीसीटीवी कैमरे एवं जैमर 19 जून को ही परीक्षा केन्द्रों में लगा दिए जाएं और 20 जून को इनका ट्रायल रन भी कर लिया जाए। 21 जून को राष्ट्रपति का जबलपुर प्रवास प्रस्तावित है। जबलपुर शहर में 24 केंद्रों में नीट परीक्षा होनी है। प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी यातायात का ऐसा प्रबंधन करें कि सभी परीक्षार्थी बिना किसी बाधा के अपने-अपने परीक्षा केंद्रों में सुगमता से पहुंच जायें। चूंकि नीट परीक्षा के दिन अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन में भी होने हैं, इन आयोजनों के कारण परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने में कोई कठिनाई न हो। यातायात का बेहतर नियोजन करें। सुनिश्चित करें कि सभी परीक्षार्थी तय समय से पहले तक केन्द्रों में पहुंच जायें। यदि किसी परीक्षार्थी को सेंटर तक पहुंचने में आवागमन के साधन की परेशानी आ रही है तो प्रशासन और पुलिस अधिकारी किसी शासकीय वाहन या खुद अपने वाहन से उन्हें परीक्षा केंद्र तक पहुंचाने में सहयोग करें। परीक्षा केंद्रों वाले सभी 30 जिलों के कलेक्टर्स-एसपी एवं परीक्षा सम्पन्न कराने की व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों को वीसी से निर्देशित किया कि नीट परीक्षा की तैयारियों के लिए उपयोग में लाई गई एसओपी अब प्रदेश में होने वाली सभी परीक्षाओं में उपयोग में लाई जाएगी। परीक्षा केन्द्रों वाले जिलों के पुलिस कमिश्नर, कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं अन्य संबंधित अधिकारियों ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से जुड़कर परीक्षा की अब तक की तैयारियों की जानकारी दी।अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा एवं जनसंपर्क अनुपम राजन ने परीक्षा की तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि नीट परीक्षा आयोजन के लिए जिलास्तरीय समन्वय समिति का गठन कर इनकी बैठकें भी कर ली गई है। नियंत्रण कक्ष की स्थापना कर जिला नोडल अधिकारी की नियुक्ति भी कर दी गई है। प्रत्येक 3-4 परीक्षा केन्द्रों के लिए एक नोडल अधिकारी की नियुक्ति की गई है। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर सहायक उपनिरीक्षक स्तर के पुलिस अधिकारी की नियुक्ति की गई है। बताया कि नीट परीक्षा आयोजन के लिए संबंधित जिलों में सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी नियुक्त किये गये है। परीक्षा के प्रश्नपत्र प्रदेश के पांच एयरपोर्ट के जरिए पहुंच चुके है। प्रश्न पत्र एनटीए द्वारा तय किये गये दो अधिसूचित बैंकों में सुरक्षित रखे गये हैं। परीक्षा के दिन वाहनों की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा की जाएगी। इन वाहनों की जानकारी आज शाम तक एनटीए को दे दी जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा केंद्रों में दो-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। बाहरी सुरक्षा परत राज्य पुलिस होमगार्ड की होगी। आंतरिक सुरक्षा परत एनटीए द्वारा नियुक्त एजेंसी की रहेगी। महिला विद्यार्थियों के लिए अलग से फ्रिस्किंग सुविधा रहेगी। इसके लिए पर्याप्त संख्या में महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने बताया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर जनरेटर की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाएगी। परीक्षा कक्ष में उचित प्रकाश व्यवस्था तथा पंखे चालू अवस्था में हों, ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। परीक्षा केंद्रों में सभी विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, ओआरएस और ग्लूकोज़ की व्यवस्था, प्रत्येक केंद्र पर एक प्राथमिक स्वास्थ्यकर्मी एवं प्राथमिक उपचार किट, नियंत्रण कक्ष में डॉक्टरों और पैरामेडिक्स की स्वास्थ्य टीम भी रहेगी, जिनका प्रतिक्रिया समय न्यूनतम रहेगा। परीक्षा केंद्र में विद्यार्थियों के साथ आने वाले परिजनों अभिभावकों संरक्षकों के लिए पर्याप्त आकार का टेंट और मोबाइल शौचालय बनाए जायेंगे। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक क्लॉक रूम भी होगा।

परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के लिए समुचित तरीके से भीड़ प्रबंधन किया जायेगा, साथ ही शहर से दूर स्थापित परीक्षा केंद्र तक विद्यार्थियों को पहुंचाने के लिए सार्वजनिक परिवहन सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि एनटीए द्वारा एयरफोर्स के जरिए प्रश्नपत्र उपलब्ध कराये जा रहे है। बालाघाट में हेलिकॉप्टर से प्रश्न प्रत्र पहुंचाये जा रहे हैं।

इन जिलों में होगी नीट की परीक्षा नीट (अंडर ग्रेजुएट) परीक्षा - 2026 मध्यप्रदेश के 30 जिलों के 283 परीक्षा केन्द्रों में होगी। यह परीक्षा इन्दौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, उज्जैन, सागर, छिंदवाड़ा, बैतूल, भिंड, बालाघाट, अशोकनगर, छतरपुर, रतलाम, बड़वानी, खरगौन, धार, खंडवा, नर्मदापुरम्, दमोह, दतिया, देवास, गुना, मंदसौर, मुरैना, नीमच, राजगढ़, सिंगरौली, विदिशा और सतना जिले में होगी। परीक्षा रविवार, 21 जून 2026 समय दोपहर 2 बजे से 5ः15 बजे तक समयावधि 3 घंटे 15 मिनट रहेगी।

भोपाल जिले में प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिये जिला कंट्रोल रूम प्रारंभ

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

भोपाल जिले में बाढ़ अतिवृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदा की स्थिति से निपटने के लिये जिला कार्यालय भोपाल नगर निगम कार्यालय सदर मंजिल, फायर ब्रिगेड स्टेशन (फतेहगढ़) में नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जो 15 जून से 15 अक्टूबर 2026 तक 24 घण्टे कार्यरत रहेगा। बाढ कंट्रोल रूम का दूरभाष क्रमांक 0755-2540220 एवं 0755-2701401,0755-2542222 होगा। बाढ़ नियंत्रण कक्ष के प्रभारी लाखन सिंह चौधरी मोबाईल एवं सहायक प्रभारी कृष्णा रावत प्रभारी तहसीलदार भू-संसाधन प्रबंधन होंगे तथा योगेश श्रीवास्तव प्रभारी नायब तहसीलदार भू-ससाधन प्रबंधन लिंक अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। जिला बाढ़ आपदा नियंत्रण कक्ष में शिफ्ट वार कर्मचारियो की ड्यूटी लगाई गई।

ओपीडी से अनुपस्थित मिले स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स को नोटिस, बिना अनुमति नहीं मिलेगा वेतन

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्यप्रदेश

भोपाल सीएमएचओ ने भोपाल की अलग - अलग स्वास्थ्य संस्थाओं में पहुंचकर मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गांधीनगर में चिकित्सा विशेषज्ञों के ओपीडी से अनुपस्थित मिलने पर वेतन कटौती सहित शो कॉज नोटिस दिया गया है। निरीक्षण में आयुष्मान आरोग्य मंदिर मुगलिया हाट और कुराना बंद पाए जाने पर यहां पदस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को 7 दिन का वेतन कटौती का नोटिस दिया गया है। इस दौरान ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस पर आयोजित टीकाकरण सत्रों में बच्चों और गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण और पोषण सेवाओं की जानकारी ली गई।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गांधीनगर में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रगति पटेल और निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. राहुल जैन को कर्तव्य स्थल से बिना सूचना के अनुपस्थित पाए जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही का नोटिस दिया गया है। साथ ही बिना अनुमति के वेतन जारी न करने के निर्देश दिये गए हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड, तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक** : नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)